



स्वयान कौके

पहुरा थारु दैनिकके अनलाइन न्यूज ओ ओकरभिटर डारल इ-पेपरमे देशविदेशसे हमार अनलाइन न्यूज ओ पत्रिका पहे सेक्वी ।

थारु भाषाके 'क' वर्गके राष्ट्रिय दैनिक

भाषा, संस्कृति ओ समाचारमूलक पत्रिका

पहुरा



PAHURA
NATIONAL DAILY

विवाह पवित्र बन्धन हो,
विवाहलाई लेनदेनको विषय
नबनाऔं,
विवाहमा दाईजो लिने र दिने
काम नगरौं,
दाईजोका कारण हुने हिंसा
अन्त्य गरौं ।



नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

वर्ष २४ अंक ९७ वि.सं. २०८३ कार्तिक ११ गते बुध

थारु सम्वत (२६४९)

[Wednesday 28 October 2026]

(मोल रु. ५ ।- पेज ४)

कुवाँरमे ३२० अपराधिक मुद्दा दर्ता

सामाजिक विकास समितिके सभापति पाठकहे
नागरिक सवाल समेटल ध्यानाकर्षणपत्र बुभागिल

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, १० कार्तिक । सुदूरपश्चिम प्रदेशमे कुवाँर महिनामे टमान मेरिक ३२० ठो अपराधिक घटनाके मुद्दा दर्ता हुइल बा ।

सुदूरपश्चिम प्रदेश प्रहरी कार्यालय जन सम्पर्क तथा मिडिया समन्वय शाखाके डेहल जानकारी अनुसार गैल कुवाँर महिनामे टमान मेरिक ३२० ठो अपराधिक घटनाके मुद्दा दर्ता हुइल सुदूरपश्चिम प्रदेश प्रहरी कार्यालयके प्रवक्ता तथा सूचना अधिकारी तथा प्रहरी वरिष्ठ उपरीक्षक पदमबहादुर



विष्ट जानकारी डेलै ।

कुवाँर महिनामे ज्यान सम्बन्धी मुद्दा ६१ ठो, आत्महत्या ५१ ठो, चोरी

सम्बन्धी २०, संगठित तथा आर्थिक अपराध ११, सामाजिक अपराध ४४, महिला तथा बालबालिका सम्बन्धी

अपराध २७, सवारी ज्यान १५ ओ ९१ करके जम्मा ३२० ठो घटना दर्ता हुइल उहाँ जनैले ।

जघन्य तथा गम्भीर अपराधमे कर्तव्य ज्यान ४, हातहतियार १, मानव वेचबिखन १, बैकिङ कसुर २१, जूवातास ८, ठगी ९, महिला बालबालिका तथा जेष्ठ नागरिकसंग सम्बन्धी २७ करके ७९ घटना दर्ता हुइल बा ।

चालु मुद्दाके प्रतिवादी पक्राउमे ३२० ठो घटना दर्तामे ३५० जाने पक्राउ परल बटै । (बाँकी २ पेजमे)

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, १० कार्तिक । सुदूरपश्चिम प्रदेशके नागरिकके सवाल सम्बोधन कैना माग करटी सुदूरका आवाज (बहुसरोकारवाला नागरिक पैरवी मञ्च) से सुदूरपश्चिम प्रदेश सभा सामाजिक विकास समितिके सभापति धर्मराज पाठकहे ध्यानाकर्षण पत्र बुभागिल बा ।

मञ्चके अगुवाइमे मंगर सभापति पाठकहे नागरिकके टमान सवाल समेटल ध्यानाकर्षण पत्र हस्तान्तरण करल हो । नागरिकके सरोकारहे प्रदेश सभामार्फत सम्बन्धित

निकायसम पुगैना ओ उ सवालके सम्बोधनके लाग पहल कैना ध्यानाकर्षण करैना उद्देश्यसे पत्र हस्तान्तरण करल मञ्च जनैले बा ।

ध्यानाकर्षण पत्र हस्तान्तरण कार्यक्रमके मञ्चके सदस्य पुष्पराज जोशी, निरङ्ग चौधरी, यमुना साउँद ओ सुशीला धामीके सहभागिता रहल रहे ।

“सुदूरको आवाज” नागरिक पैरवी मञ्चसे नागरिकका सवालहे संस्थागत रूपमे उठैटी सम्बन्धित निकायके ध्यानाकर्षण करैना मञ्चके सदस्य जोशी बटैले । (बाँकी ४ पेजमे)

दशरथचन्द विश्वविद्यालयमे ब्लड बैंक सञ्चालनके तयारी



पहुरा समाचारदाता

धनगढी, १० कार्तिक । कैलालीके गेटास्थित शहीद दशरथ चन्द स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय अपने ब्लड बैंक (रक्तसञ्चार केन्द्र) सञ्चालन कैना तयारी करले बा । ब्लड बैंक स्थापनाके लाग विज्ञ टोलीसे अध्ययन करसेकल बा कलेसे हाली सञ्चालनमे लन्ना प्रक्रिया आधे बहाइल हो ।

विश्वविद्यालयसे ब्लड बैंक सञ्चालनके लाग तयारी आधे बहैलेसे फेन तत्काल आवश्यक पर्ना उपकरण भर उपलब्ध नैहुइल विश्वविद्यालय जनैले बा । विश्वविद्यालयमे अत्याधुनिक उपकरण रलेसे फेन उ सक्कु उपकरण तत्काल प्रयोगमे लाने सेक्का अवस्था नैरहल विश्वविद्यालयके उपकुलपति डा.

सुनिलकुमार जोशी बटैले । विश्वविद्यालयमे उपलब्ध उपकरणके प्राविधिक अवस्था ओ सञ्चालन योग्यता मूल्याङ्कन कैना काठमाडौंसे रक्तसञ्चार तथा ब्लड बैंक विज्ञ डा. विपिन नेपालहे आमन्त्रण करल रहे । डा. नेपाल नेतृत्वके टोलीसे करल निरीक्षणके क्रममे विश्वविद्यालयमे रहल उपकरण अत्याधुनिक प्रविधिके रलेसे फेन उहीहे पूर्णरूपमे प्रयोगमे लन्ना सेवा विस्तार हुइल एकसे दुई बरस लागे सेक्का डेहल हो ।

‘ब्लड बैंक सञ्चालनके प्रारम्भिक चरणमे आवश्यक पर्ना रगतके समूह पहिचान (ब्लड ग्रुपिङ) लगायतके आधारभूत उपकरण भर विश्वविद्यालयमे उपलब्ध नैहो,’ उपकुलपति जोशी कहलै, ‘ओहमारे

तत्काल सेवा सुरु कैना आवश्यक सामग्री खरिद करे पर्ना हुइल बा ।’ विश्वविद्यालय प्रशासनसे आवश्यक उपकरण खरिदके लाग बजेट स्वीकृत कराके प्रक्रिया आधे बहैना तयारी करले बा । यथाशीघ्र उपकरण खरिद कैके सेवा सञ्चालनमे लन्ना लक्ष्य राखल उपकुलपति जोशी बटैले ।

अपने ब्लड बैंक सञ्चालनमे आइलपाछे बिरामी तथा सेवाग्राहीहे रगत ओ रगतजन्य सेवा उपलब्ध करैना सहज हुइना जोशी बटैले । ओहकान अनुसार विश्वविद्यालयसे सामान्य ब्लड बैंक सञ्चालनमे किल सीमित नैहोके रगतके टमान तत्व छुट्याइना आधुनिक प्रयोगशाला स्थापना कैना योजना रहल बा । ओकर साथे एन्टीबडीमे आधारित इम्युन थेरापीसमके उच्चस्तरीय सेवा उपलब्ध करैना लक्ष्य हम्मे रहले बटै, उपकुलपति जोशी कहलै ।

‘विश्वविद्यालयसे सामान्य ब्लड बैंक सञ्चालनमे किल सीमित नैहोके रगतके टमान तत्व छुट्याइना आधुनिक प्रयोगशाला स्थापना कैना योजना बनैले बा । साथे, एन्टीबडीमे आधारित इम्युन थेरापीसमके उच्चस्तरीय सेवा उपलब्ध करैना लक्ष्य हम्मे रहले बटै,’ उपकुलपति जोशी कहलै ।

अगहनमे लालभाडी कप फुटबल प्रतियोगिता हुइना

कञ्चनपुर, १० कार्तिक । कञ्चनपुरमे अइना अगहन ३ गतेसे दशौं संस्करणके लालभाडी कप फुटबल प्रतियोगिता हुइना हुइल बा ।

प्रतियोगिताके आयोजक लालभाडी युवा क्लब ११ से सोमवारके पत्रकार सम्मेलन कैटी दशौं लालभाडी कप फुटबल प्रतियोगिता आगामी अगहन ३ गतेसे ११ गतेसम सञ्चालन हुइना जानकारी कराइल हो ।

क्लबके अध्यक्ष काशीराम बोहरा प्रतियोगितामे पुरुषओर पालिकास्तरीय फुटबल ओ महिला ओर खुला फुटबल प्रतियोगिता सञ्चालन कैना जानकारी डेलै । “इ क्षेत्र फुटबलके केन्द्र हो यहाँसे ढेर खेलाडी टमान उमेर समूहमे राष्ट्रिय लिगमे खेलसेकल बटै”, उहाँ कहलै । उहाँ

क्लबसे हरेक प्रतियोगितामे पुरस्कार राशि बँहैटी गैल बटैले ।

प्रतियोगितामे पुरुषओर विजेता तीन लाख नगदसहित ट्रफी मेडल ओ प्रमाणपत्र प्राप्त कैना बटै । उपविजेता एक लाख ५० हजार नगद पुरस्कार प्राप्त कैना बटै । ओस्टके महिला ओर विजेता ५० हजार ओ उपविजेता २५ हजार नगद पुरस्कार ओ ट्रफी मेडल ओ प्रमाणपत्र प्राप्त कैना आयोजक जनैले बा ।

प्रतियोगितामे उत्कृष्ट खेलाडी २५ हजार पुरस्कार प्राप्त कैना बटै । ओस्टके प्रतियोगितामे उत्कृष्ट गोलरक्षक, उत्कृष्ट रक्षक, उत्कृष्ट मिडफिल्डर, सर्वाधिक गोलकर्ता, उदयीमान खेलाडी आ उत्कृष्ट प्रशिक्षक जनही १०/१० हजार नगद पुरस्कार प्राप्त कैना बटै ।

सुरक्षित यात्रा गरौं ।

- ❖ सवारी साधनको क्षमताभन्दा बढी यात्रु नचढौं/नचढाऔं,
- ❖ सवारी साधनको छतमा बसेर यात्रा नगरौं,
- ❖ मादक पदार्थ सेवन गरी सवारी साधन नचलाऔं,
- ❖ बाढी, पहिरो तथा जोखिमपूर्ण सडकमा सवारी साधन चलाउँदा ध्यान दिऔं ।



दुर्घटनाबाट आफू पनि बचौ र अरुलाई पनि बचाऔ ।



नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

सुदूरपश्चिम प्रदेशको अत्याधुनिक सुविधा सम्पन्न



निसर्ग हस्पिटल
एण्ड रिसर्च सेन्टर प्रा.लि.

विशेषज्ञ डाक्टर तथा ओ.पि.डी सेवाहरु

जनरल फिजियन (पेट,छाती,मुटु) रोग विशेषज्ञ	रेडियोलोजी विशेषज्ञ	न्युरो, मस्तिष्क, नशा तथा मेरुदण्ड रोग विशेषज्ञ	हाडजोर्नी तथा स्पोर्ट्स फिजियोथेरापिस्ट
हाडजोर्नी तथा क्यान्सर रोग विशेषज्ञ	जनरल तथा क्यान्सर रोग विशेषज्ञ	स्त्री तथा प्रसूति रोग विशेषज्ञ	नवजात शिशु तथा बालरोग विशेषज्ञ
नाक, कान, घाँटी तथा थाइरोइड रोग विशेषज्ञ	एनेस्थेसिया तथा क्रिटिकल केयर विशेषज्ञ	मुख, अनुहार तथा चक्षु रोग विशेषज्ञ	मानसिक तथा नशा रोग विशेषज्ञ
खाला, यौन, कुष्ठरोग तथा सौन्दर्य विशेषज्ञ	गुणौला तथा गुन्ररोग विशेषज्ञ	मुटु रोग विशेषज्ञ	

Hasanpur, Dhangadhi-5, Kailali, Nepal
091-527000/01/02, 9865680100, 9804600745

www.nisargahospitalnepal.com / nisargahospitalnepal

स्माईल चौधरीसे प्रकाशित

सठपाढक : प्रेम चौधरी (९८४८४२२२०७)

कार्यकारी सठपाढक : राम दहित (९८४८४९४५१८)

भाषा सल्लाहकार : दिलबहादुर चौधरी

पहुना सठपाढक : कृष्णराज सर्वहारी

व्यवस्थापन सल्लाहकार : राजकुमार चौधरी

प्रधान कार्यालय: धन.पा.- ८, शिवनगर, कैलाली (नमस्ते सहकारी भवन)

मसुरिया शाखा: दिनेश दहित (९८१२६४१६०१)

पहलमानपुर शाखा: जीवन चौधरी (९८४४०१८८७/९८२५६२९३०५)

प्रधान कार्यालय धनगढी

E-mail: dailypahura@gmail.com,

Website: pahura.com

मुद्रक : समैजी अफसेट प्रेस, वेहडी, धनगढी

स्वदेशमे फूला फुलैना अठोट

तन्हूँ, १० कार्तिक । दमौलीके दुई युवा सयपत्री जातके फूलखेती सुरु करले बटै । वैदेशिक रोजगारीमे गैल युवाके संख्या बहल बेला उहाँ भर स्वदेशमे कुछ करना अठोटके साथ फूलखेती सुरु करले बटै । व्यास नगरपालिका-४ सिमलटारमे स्थानीय गगनसिंह बस्नेत ओ लक्ष्य अधिकारी दुई रोपनी जग्गामे सयपत्री फूलखेती कैके स्थानीयस्तरमे सम्भावना खोज्ना प्रयास करटै ।

तिहार लग्गे हुइल बेला सिमलटारके खेतमे सयपत्री फूला ढकमक्क फुले लागल बा । पहुँलपुर फूलासे खेतके दृश्य आकर्षक बनल बा कलेसे दुई युवाहे अपन मेहनतके प्रतिफल बजारमे पुगैना चाहना बा ।

उहाँहुँकनके उद्देश्य फूला बेचके आम्दानी करनामे किल सीमित न्है, स्थानीय उत्पादनके प्रयोग बहैना ओ बाहिरसे अइना फूलाके निर्भरता घटैना सन्देश डेना फेन हो । बस्नेत ओ अधिकारी खाली रहल जग्गाके सदुपयोग करटि पहिलचो सयपत्री फूलखेती सुरु करले बटै ।

बस्नेतले कार वास सेन्टरसमेत सञ्चालन करले बटै । जग्गा खाली रहल अवस्थामे उहिनहे उपयोगी काममे लगैना सोचसे फूलाखेती सुरु करल बस्नेत बटैलै ।

तिहारजैसिन चाडपर्वमे फूलाके माग बहलेसे फेन बजारमे बाहिरसे नानल फूलाके प्रयोग हुइना करल डेखलओरसे स्थानीयस्तरमे

फूल उत्पादन करना सोच आइल बस्नेतके कहाइ बा । अपन ठाउँमे फूला उत्पादन करे सेक्न सम्भावना देखके पहिलचो खेती सुरु करल उहाँ उल्लेख करलै ।

“बाहिरसे फूला आइल डेखु । हमार ठाउँमे फेन फूल उत्पादन करे सेक्जाइ कना लागठ,” बस्नेत कलै, “बाहिरसे अइना फूलाके सट्टा स्थानीयस्तरमे उत्पादन हुइल फूला प्रयोग करेपरठ कना सन्देश डेना फेन हम्ने खेती सुरु करलि ।”

दुई रोपनी जग्गामे करल खेतीसे प्राप्त हुइना उत्पादन ओ बजारके माग हेरके आगामी दिनमे खेती विस्तार करना योजना रहल उहाँके कहाइ बा । पहिल प्रयास सफल हुइलेसे थप जग्गामे सयपत्री फूलखेती करना उहाँ बटैलै ।

यिहिनसे खाली जग्गाके उपयोग हुइनाके साथे स्थानीयस्तरमे रोजगारी ओ आम्दानीके अवसरसमेत सिर्जना करे सेक्ना उहाँके अपेक्षा बा ।

तिहारमे घर, मठमन्दिर ओ टमान स्थान सजैना सयपत्री फूलाके प्रयोग करजाइठ । यी समयमे फूलाके माग बहना हुइल ओरसे स्थानीय उत्पादनहे बजारसम पुगाइ सेक्लेसे किसान तथा उद्यमीहे लाभ पुना सम्भावना रहठ ।

स्थानीयस्तरमे फूल उत्पादन ओ उपभोग बहाइ सेक्लेसे बाहिरसे नानल फूलाउपपरके निर्भरता कम करना सहयोग पुना बस्नेत बटैलै ।

कुवाँरमे ३२० अपराधिक...

कलेसे ६८ जाने पक्राउ कैना बाँकी रहल बटै । २३ सय ५१ ठो पेण्डिङ मुद्दामे ६८ ठो फछौट हुइल बा । फैसला कार्यान्वयनके तथ्यांकमे ८२ जाने पक्राउ परलमे ४७ लाख ५ हजार ७७७ रुपया राजश्व संकलन हुइल बा ।

कुवाँर महिनामे महिला, पुरुष, बालबालिका तथा जेष्ठ नागरिक जम्मा ९२ जाने हेराइलमे ५५ जाने केल्ह फेला परल बटै । जेम्ने महिला ४२ जाने हेराइलमे २० जाने फेला, बालक ९ हेराइलमे ७ जाने फेला, बालिका २१

जाने हेराइलमे १२ जाने फेला, पुरुष १८ जाने हेराइलमे १४ जाने फेला, जेष्ठ नागरिक २ जाने हेराइलमे २ जाने फेला परल बटै ।

घरेलु हिंसाके १०७ ठो मुद्दा दर्ता हुइलमे १०० ठो मिलापत्र, ७ ठो अदालतमे पठाइल बा । आत्महत्यामे ५१ जाने जाने मन्से पुरुष २७, महिला १७ ओ बालिका ५, बालक २ जाने रहल बटै । ठाडो उजुरी ९५१ ठो रहलमे ८४१ फछौट हुइल बा । कलेसे ११० ठो बाँकी रहल बा ।

संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना

यस उपमहानगरपालिकाको वडा नम्बर १३ राजपुर स्थित किता नं. २८ क्षेत्रफल ५४० वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री कालीचरण राना थारुले यस उमनपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिँदा तपाईंको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबुत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सुचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण

पुर्व: सडक

पश्चिम: खडकराज पाण्डे, ध्रुव राना थारु

उत्तर: रामदुलारी राना

दक्षिण: काले राना थारु

धनगढी उपमहानगरपालिका

नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, धनगढी, कैलाली

पाठकवर्गसे अनुरोध

प्रिय पाठकवर्ग, पहुरा मिडिया प्रालिसे सन्चालित पहुरा दैनिक ओ पहुरा अनलाइनमे हमार सकेसम थारुपन लम्ना कोशिश जारी बा । विचार पेजमे थारु लगायट अन्य जनजातिनके आवाज हमार पहिला प्राथमिकता हो । अपन मनेम लागल उकुसमुकुस बाट अपनैनके फे लिख्के पठाइ सेकिठ । अपनेक विचार लम्मा हुइ परठ कना नइ हो । आइ कलम पत्रि, अपन मनक बाट ढेरसे ढेन जनहन बाँटि । पहुरा अनलाइनमार्फत अपन बाट संसार भर पुगाइ ।

-सम्पादक

लोकतन्त्रमे विधिके शासन

लोकतन्त्र, गणतन्त्र ओ विधिके शासन एकआपसके परिपूरक हो । विधिके शासनसे राज्यके सक्कु संस्था, पदाधिकारी तथा नागरिकहे संविधान ओ कानूनके दायरामे ढैके राज्यशक्तिके दुरुपयोग हुइनासे रोकठ । नेपालके संविधानके प्रस्तावनासे नेपालहे बहुलवादमे आधारित बहुदलीय प्रतिस्पर्धात्मक संघीय लोकतान्त्रिक गणतन्त्रात्मक संसदीय शासनप्रणालीके रूपमे परिभाषित करले बा । राज्यसत्ताके वैधता कौनो व्यक्ति, वंश वा सीमित समूहसे नैहोके जनतासे प्राप्त हुइना मान्यताहे संविधानसे स्थापित करले बा । टबेभारे नेपालके लोकतान्त्रिक गणतन्त्रात्मक शासनव्यवस्थाहे राजनीतिक प्रतिनिधित्व, नागरिक अधिकार, समावेशिता, संघीयता, सामाजिक न्याय ओ सार्वजनिक जवाफदेहितासँग सम्बन्धित समग्र व्यवस्थाके रूपमे विधिके शासनके कसीमे विमर्श करे परठ ।

वैचारिक आधार

लोकतान्त्रिक गणतन्त्रात्मक शासनव्यवस्थाके विकास लम्मा राजनीतिक तथा दार्शनिक चिन्तनसे हुइल पाजाइठ । प्राचीन गि क राजनीतिक चिन्तनसे रोमन गणतन्त्रवाद, मध्ययुगीन राजनीतिक विचार ओ आधुनिक संवैधानिकवाद हुइति वर्तमान प्रतिनिधिमूलक लोकतन्त्रके विकास हुइल विकासक्रम बा । प्राचीन गिसके दार्शनिक अरस्तुसे राज्यके गतिविधिमे नागरिक सहभागिताके महत्वहे जोड डेहल बा । रोमन चिन्तक सिसेरोसे सार्वजनिक हित, नागरिक सदाचार ओ साभा राजनीतिक समुदायके अवधारणाहे महत्व डेहल बा । मोन्टेस्क्युसे शक्ति पृथकीकरण, रसोसे जनताके सार्वभौमिकता ओ थोमस पेन गणतन्त्र तथा जनसत्ताके अवधारणाहे आगे सारल बा । यी विचारके समग्र विकासके कारणसे आधुनिक लोकतान्त्रिक गणतन्त्रके सैद्धान्तिक आधार निर्माण होके विधिके शासनहे समृद्ध बनाइल बा ।

लोकतान्त्रिक आधार

नेपालके वर्तमान लोकतान्त्रिक गणतन्त्रात्मक व्यवस्था लम्मा राजनीतिक संघर्ष, जनआन्दोलन, सामाजिक परिवर्तन ओ जनताके बलिदानसे प्राप्त हुइल हो । विसं २००७ के राजनीतिक परिवर्तनसे राणा शासन अन्त्य कैके प्रजातन्त्रके प्रारम्भिक आधार निर्माण करल रहे । विसं २०१५ के संविधान अनुसार आमनिर्वाचन सम्पन्न होके संसदीय अभ्यास सुरु हुइलेसे फेन विसं २०१७ मे निर्वाचित संसद् विघटन हुइलपाछे फेन निरंकुशता आइल । विसं २०४६ के जनआन्दोलनपाछे बहुदलीय प्रजातन्त्र पुनर्स्थापनासे खुला समाज निर्माण हुइल । विसं २०६२/६३ के जनआन्दोलन, शान्ति प्रक्रिया ओ संविधान सभाके निर्वाचनसे नेपालके राजनीतिक पुनर्संरचनाके डगर

खोलल । विसं २०६५ जेठ १५ गते संविधान सभाके पहिल बैठकसे नेपालहे गणतन्त्र घोषणा करल । ओकरपाछे विसं २०७२ असोज ३ गते नेपालके वर्तमान संविधान जारी हुइल । यिहिनसे संविधानसे संघीयता, गणतन्त्र, समावेशिता, मौलिक अधिकार, बहुदलीय प्रतिस्पर्धा ओ लोकतान्त्रिक शासनप्रणालीहे संवैधानिक रूपमे संस्थागत करल ।

विधिके शासनके संवैधानिक आधार

लोकतान्त्रिक गणतन्त्रसे सार्वभौमसत्ता ओ राजकीय सत्ता जनतामे निहित रहिके व्यवस्था सुनिश्चित करले बा । निर्वाचन, राजनीतिक सहभागिता, अभिव्यक्ति स्वतन्त्रता, प्रतिनिधिमूलक संस्था,

राज्यशक्तिउपपर नागरिकके कानुनी नियन्त्रण कायम करना न्यायपालिकाके महत्वपूर्ण भूमिका रहल बा ।

संस्थागत चुनौती

राजनीतिक दलभिन्ने आन्तरिक लोकतन्त्र कमजोर होके विधिके शासन बलगर नैहुइठ । राजनीतिक दलमे नेतृत्व चयन, पद तथा प्रतिष्ठाके तीव्र चाहना ओ राजनीतिक भागबन्डासे दलभित्तरके लोकतान्त्रिक संस्कारहे कमजोर पारे सेकि । विधिके शासनमे सुशासन प्रमुख तत्व हो । सुशासन अभावसे राज्यके कार्यक्षमता कमजोर बनाइठ ।

कानून सब नागरिक तथा पदाधिकारीके लाग समान रूपमे लागु हुइ परठ । राजनीतिक प्रभाव,

संविधानसे लोकतन्त्र ओ विधिके शासनके संस्थागत आधार खडा करले बा । तथापि लोकतान्त्रिक गणतन्त्रके सफलता संविधानमे व्यवस्था कैके किल सुनिश्चित नैहुइठ । यकर वास्तविक सफलता कलेक नागरिकके जीवनमे परिवर्तन डेखाइ परठ । नागरिकसे समान न्याय, प्रभावकारी सार्वजनिक सेवा, सुरक्षा, अधिकार, उत्तरदायी सरकार ओ निर्णय प्रक्रियामे अर्थपूर्ण सहभागिताके अनुभूति करे सेक्लेसे किल लोकतन्त्रके सार्थकता भल्के सेकि । गणतन्त्रहे नागरिक समानताके माध्यम, लोकतन्त्रहे जनसहभागिताके आधार ओ विधिके शासनहे न्यायपूर्ण तथा उत्तरदायी राज्यके आधार बनाइ सेक्लेसे नेपालके लोकतान्त्रिक गणतन्त्रात्मक व्यवस्था थप सुदृढ ओ दिगो बने सेकि । अन्ततः लोकतान्त्रिक गणतन्त्रके सार कलेक जनतासे सरकार बन्ना किल नाइकि यम्ने जनताके अधिकार सुरक्षित हुइना, सरकार जनताप्रति उत्तरदायी हुइना ओ राज्यशक्तिके प्रयोगहे संविधान ओ कानूनके सीमाभिन्ने बाँध्न हो । ओकर लाग विधिके शासनहे जनतासे अनुभूत करे सेक्ना तहमे पुगैना वाञ्छनीय डेखाइठ ।

न्यायिक हक जैसिन विषय जनताके सार्वभौमिक अधिकारके साथे विधिके शासनके आधार हो । संविधानसे गणतन्त्र संस्थागत करना निर्वाचित राष्ट्रप्रमुख रहना व्यवस्था करल बा । वंशके आधारमे राष्ट्रप्रमुख हुइना डगर बन्द हुइल बा ।

लोकतान्त्रिक गणतन्त्रात्मक बहुदलीय व्यवस्थासे राजनीतिमे जनताके सहभागिता ओ प्रतिनिधित्व सुनिश्चित हुइल बा । संविधानसे समानता, स्वतन्त्रता, अभिव्यक्ति स्वतन्त्रता, सूचनाके हक, शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा, स्वच्छ वातावरणलगायत टमान मौलिक हक अधिकार सुनिश्चित करल बा । विधिके शासनके फराकिलो आधारके रूपमे समावेशिता विस्तार करल बा । महिला, दलित, आदिवासी जनजाति, मधेसी, थारू, मुस्लिम तथा अन्य सीमान्तकृत समुदायके राज्यके टमान तहमे सहभागिताके लाग संवैधानिक व्यवस्था सुनिश्चित करल बा । लोकतान्त्रिक गणतन्त्रात्मक संघीय व्यवस्थासे संघ, प्रदेश ओ स्थानीय तह कैके तीन तहके संरचना निर्माण कैके शासन ओ विकासहे नागरिकके लग्गे पुगैना विधिके शासनहे बलगर बनाइल बा । विधिके शासनमे स्वतन्त्र न्यायपालिकाके भूमिका महत्वपूर्ण रहठ । संविधानके व्याख्या, मौलिक अधिकारके संरक्षण तथा

दण्डहीनता ओ विभेदसे जनमानसमे न्यायप्रतिके विश्वास डगमगाइठ । संघीयताके प्रभावकारी कार्यान्वयनके लाग संघ, प्रदेश ओ स्थानीय तहबिच अधिकार, स्रोत, जिम्मेवारी ओ प्रशासनिक समन्वय हुइना आवश्यक बा । आर्थिक असमानता, बेरोजगारी ओ अवसरके असमान वितरणसे विधिके शासनमे चुनौती थपि । डिजिटल प्रविधि तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ताके विकाससँगे गलत सूचना, भ्रामक सामग्री, तस्बिर, भिडियो तथा आवाजके प्रयोग लोकतन्त्र तथा विधिके शासनके लाग नयाँ चुनौती बनल बा ।

विधिके शासनके सार

विधिके शासन लोकतान्त्रिक गणतन्त्रके आधारभूत सर्त होख। लोकतन्त्रमे बहुमतके निर्णय महत्वपूर्ण रलेसे फेन बहुमत स्वयम् कानूनसे उपपर नैरहठ । विधिके शासनसे संविधानके सर्वोच्चता, कानूनके समान प्रयोग, मौलिक अधिकारके संरक्षण, स्वतन्त्र न्यायपालिका ओ राज्यशक्तिउपपर संवैधानिक नियन्त्रण सुनिश्चित करे परठ । लोकतन्त्रसे सत्ताके वैधता प्रदान करठ कलेसे विधिके शासनसे सत्ताके दुरुपयोग हुइ नैडेके सीमा निर्धारण करटि रहठ ।

विधिके शासन कमजोर रलेसे लोकतन्त्र केवल निर्वाचनमे सीमित हुइठ । विधिके शासन कानूनके शासन हो । यिहिनसे नागरिक अधिकार,

विचार

डा. लावण शर्मा

पारदर्शिता, जवाफदेहिता, न्याय ओ लोकतान्त्रिक संस्था संस्थागत करना सहयोग करठ । व्यावहारिक पक्षसे हेरलेसे विधिके शासन कार्यान्वयनमे कुछ चुनौती अवश्य डेखाइल बा । कानून कार्यान्वयनमे ढिलाइ हुइना, न्यायमे समान पहुँच नैडेखाइल तथा लम्मा समयसम फेन मुद्दा निरुपण नैहुइना जैसिन गुनासा विधिके शासनके अवरोध हो । विधिके शासन बलगर बनैना नागरिक सहभागिता, सार्वजनिक बहस ओ नागरिक खबरदारीमार्फत सरकारहे और ढेर उत्तरदायी बनाइ सेकि ।

डिजिटल प्रविधि, विद्युतीय सेवा, सूचनाके हक, सामाजिक लेखा परीक्षण, सार्वजनिक सुनुवाइ जैसिन माध्यमके प्रभावकारी प्रयोगसे पारदर्शिता ओ जवाफदेहिता बहाइठ । संघीयताके प्रभावकारी कार्यान्वयनसे स्थानीय आवश्यकता अनुसार शिक्षा, स्वास्थ्य, खानेपानी, सडक तथा अन्य सार्वजनिक सेवा प्रदान करे सेकि । यिहिनसे उत्पादन वृद्धि, रोजगारी सिर्जना, उद्यमशीलता, सिप विकास तथा युवाके ज्ञान ओ प्रविधिमैत्री सोचहे उपयोग कैके अर्थतन्त्र सुदृढ करे सेक्न सम्भावना बा ।

सुधारके आग्राम

लोकतान्त्रिक गणतन्त्रहे प्रभावकारी, उत्तरदायी ओ जनमुखी बनैना संस्थागत सुधारसँगे राजनीतिक संस्कारमे परिवर्तन आवश्यक बा । यकर लाग राजनीतिक दलभिन्ने नियमित महाधिवेशन, नेतृत्वके आवधिक निर्वाचन, सदस्यके सहभागिता, आन्तरिक बहस, छलफल ओ फरक मतके सम्मान करेपरना रहठ । निर्वाचन प्रणालीमे उम्मेदवार छनोटके पारदर्शिता, निर्वाचन खर्च, राजनीतिक चन्दा, प्रचारप्रसार ओ सामाजिक सञ्जालके प्रयोगहे व्यवस्थित करेपरना बा । न्यायमे सहज पहुँच, न्यायपालिकाप्रतिके जनविश्वास, भ्रष्टाचार नियन्त्रण, सार्वजनिक प्रशासनके क्षमता अभिवृद्धि तथा नागरिककेन्द्रित सेवा प्रवाहमे विशेष जोड डेहेपरना बा । संघ, प्रदेश ओ स्थानीय तहबिच अधिकार तथा स्रोतके बाँडफाँटहे अन्तरसरकारी समन्वयसे कार्यान्वयन करना आवश्यक डेखाइठ ।

डिजिटल प्रविधिहे पारदर्शिता ओ सुशासनके भरपरना साधनके रूपमे प्रयोग करटि अनलाइन सेवा, डिजिटल अभिलेख, सार्वजनिक सूचना प्रणाली, गुनासो व्यवस्थापन तथा विद्युतीय भुक्तानीहे विस्तार करेपरना डेखाइठ । यकर साथे कृत्रिम बुद्धिमत्ताके अनुचित प्रयोगसे देखा परल चुनौती सामना करना डिजिटल साक्षरता, तथ्य प्रमाण परीक्षण ओ जिम्मेवार प्रविधि प्रयोगहे प्रोत्साहन करेपरना डेखाइठ । (बाँकी ३ पेजमे)

तथ्यांकके ओजराके टरे धरातलके चुनौती

काठमाडौं, १० कार्तिक । भोकमरी केवल पेटके खालीपन केल्ह नाही, यी समाजके सामाजिक संरचना, राज्यके दूरदृष्टि ओ नागरिकके भान्सासम पुन अर्थतन्त्रके संवेदनशील तस्बिरफे हो ।

खाद्य सुरक्षा ओ पोषण कौनो एक ठो नीतिगत घोषणा वा एक ठो मन्त्रालयके प्रयाससे केल्ह सम्हना विषय नैहो । जब खेतके वारिया, स्थानीय चुल्हा, डाइक चेतना ओ बजारके आपूर्ति शृत्ला आपसमे जोरठै, तब केल्ह भोकविरुद्धके लडाईंसे सार्थकता पाइठ ।

भर्खरे सार्वजनिक ग्लोबल हंगर इन्डेक्स २०२६ के प्रतिवेदनसे विश्वसामु नेपालके अस्टे एक ठो मौन, सामूहिक मने ऐतिहासिक रूपान्तरणके कथा बाहेर ल्यानल बा, जहाँ नेपालसे भोकमरीके ग्राफहे निरन्तर टरे भरटी एक ठो लोभलगटीक फड्को मरले बा । मने तथ्याङ्कके यी चर्हाकेलो ओरार टरे नेपालके खाद्य प्रणालीभितर नयाँ प्रकृतिके जटिल चुनौतीफे भुसके आगीहस थप्टी गैल बा ।

प्रतिवेदनअनुसार विश्वके एक सय बाइस मुलुकके सूचीमे नेपाल १४.५ स्कोरसहित बहतरौं स्थानमे आपुगल बा । सन् २००० के सुरुआतमे ३७.० के स्कोरसहित भोकमरीके 'खतराजनक' श्रेणीमे रहल नेपालसे विगत साढे दुई दशकके अवधिमे यी सूचकहे आधासे ढेर घटाके 'मध्यम' दायरामे सीमित कैना सफल हुइल बा । अपने आन्तरिक द्वन्द, नम्मा राजनीतिक सङ्क्रमण, भूकम्प ओ नाकाबन्दीजस्टे आर्थिक धक्काके बिचफे नेपालसे दक्षिण एसियाके आपणविक शक्ति ओ विशाल अर्थतन्त्र हुइल छिमेकीहे समेत पोषणके दौडमे पाछे छोरल बा ।

साढे दुई दशकके गौरवमय यात्रा

नेपालसे तय करल यी यात्रा कौनो आकस्मिक संयोग नैरहे, बरु लगातार टरे भरल भोकमरीके एक ठो निरन्तर राष्ट्रिय प्रयत्न रहे । सन् २००० मे ३७.० रहल नेपालके स्कोर सन् २००८ मे घटके ३०.८ मे भरल ओ सन् २०१२ सम आपुगे २४.४ मे सीमित हुइल । सन् २०१८ मे १८.४ के स्कोर निकरटी मध्यम श्रेणीमे प्रवेश करल नेपालसे सन् २०२६ मे आपुगे उहीहे थप खुम्च्याके १४.५ मे ल्यानल बा । यी सूचकाङ्कमे स्कोर जटोरा घटटी जाई, देशमे भोकमरी ओ कुपोषणके अवस्था ओटरे कम हुइल मानजाइठ ।

दक्षिण एसियाली छिमेकीसंग तुलना करेबेर नेपालके यी फड्को भन अर्थपूर्ण विल्गाइठ । यी क्षेत्रमे आर्थिक सङ्कटसे बिस्तारे तङ्गिटी करल श्रीलङ्का केल्ह ५३औं स्थान ओ १०.२ स्कोरसहित नेपालसे आघे बा । उहोर विश्वके पाँचु भारी अर्थतन्त्र भारत २४.१ स्कोरके साथ एक सयौं स्थानमे तथा पाकिस्तान २५.५ स्कोरसहित एक सय छैटौं स्थानमे अल्फटी अभिनफे गम्भीर भोकमरीके सङ्कटसंग जुधटी रहल बा । इन्डोग्रस्त अफगानिस्तान २८.६ स्कोरसहित गम्भीर श्रेणीके पुछारमे रहेबेर बङ्गलादेशसे भर १९.२ स्कोरसहित अपनहे मध्यम श्रेणीमे जोगैले बा । यैसिक हेरेबेर नेपालसे सीमित साधन ओ स्रोतके बाबजुद आपन नागरिकहे भोकमरीमे परे नैडेना करल प्रयत्नसे दक्षिण एसियामे उदाहरणीय परिपक्वता डेढैले बा ।

भुईँतहके सहकार्य ओ बडल्टी धरातल

यी ऐतिहासिक उपलब्धिके पाछे

नेपालके टरेक तहसम फैलल प्राथमिक स्वास्थ्य ओ जनचेतनाके सञ्जालसे बल्डर जगके काम करले बा । उज्जर एषोन नैलगाइल मने गाउँघरके कुनाकाप्चासम पुगन भन्डे पचास हजार महिला सामुदायिक स्वास्थ्य स्वयंसेविकाहुके डाई ओ बच्चाके स्वास्थ्यमे ल्यानल जागरण यकर प्रमुख आधार हो । ओइने घरदैलोमे बाँटल भिटामिन 'ए', जुकाके औषधि, आइरन चक्की ओ अनिवार्य खोपके सन्देशसे प्रतिहजार जीवित जन्ममे ९० से उप्पर रहल पाँच वर्ष टरेक बालबालिकाके मृत्युदर उल्लेख्य रूपमे घटल । बाल मृत्युदरमे आइल यिहे भारी गिरावटसे भोकमरी सूचकाङ्कके कुल भारहे टरे भर्ना भारी मद्दत करले बा ।

ओस्टेक करके नेपालसे पोषणहे स्वास्थ्य मन्त्रालयके केल्ह जिम्मेवारी नैठानके बहुक्षेत्रीय पोषण योजनामार्फत कृषि, शिक्षा ओ खानेपानीसँग जोरना दुसर दूरगामी कदम रहे । गर्भावस्थासे शिशु दुई वर्ष पुगटसमके 'सुनौला १००० दिन' हे प्राथमिकता डेहे डाई ओ बच्चाके खानपिनमे सुधार ल्यन्ना प्रयास कैगिल, जिहीसे बालबालिकामे हुइना पुङकोपन घटैना मद्दत पुगाई । यकर साथे देशव्यापी रूपमे सञ्चालन करल खुला दिसामुक्त अभियान ओ सरसफाइके विस्तारसे बालबालिकामे हुइना भ्रडापखाला ओ आन्नाके सङ्क्रमणहे भारी कम कराइल । पेटमे सङ्क्रमण नैहुइलपाछे खाइल खाना शरीरमे लगना जैविक वातावरण बनल, जिहीसे बालबालिकाके छ्याउटेपन नियन्त्रणमे बल पुगाइल । ओस्टे, वैदेशिक रोजगारीमे गैल युवासे पठाइल रेमिट्यान्ससे गरिब परिवारके हातमे नगद थपडेहलपाछे ढाल, गेडागुडी, अण्डा ओ दध किनके खैना क्रयशक्ति बढनाफे यी तथ्याङ्कीय सुधारमे महत्वपूर्ण योगदान करले हो ।

स्थानीय सरकारसे जोरल खाद्य शृंखला

नेपालमे संघीयता कार्यान्वयनमे आइलपाछे स्थानीय तहसे अपन नीति ओ बजेटहे कृषि ओ पोषणसंग जोरना सुरु करल मौलिक अभ्याससे यी लडाईंहे नयाँ ऊर्जा डेहल । पर्वतके फलेवास, स्याङ्जाके पुतलीबजार ओ लमजुङके मध्यनेपाल नगरपालिकासे वर्षौसे बाँभर रहल खेतबारी खनजोत करके खेती कैना किसानहे प्रतिरोपनी नगद अनुदान डेना व्यवस्था करलै । यिहीसे गाउँमे बाँभल गरा पुनः हराभरा हुके अन्न उत्पादनमे बढोत्तरी आइल ।

उत्पादित वस्तु बारीमे सरना ओ उपभोक्तासे बजारमे महुँगा मूल्य तिरेपर्ना बिचौलियाके जाल तुरना बागलुङके जैमिनी, म्याग्दीके अन्नपूर्ण, तनहुँके म्याग्दे ओ काभ्रेके मण्डनदेउपुरजैसिन पालिकासे कृषि एम्बुलेन्स सञ्चालन करलै । यिहीसे विकट गाउँके छोट किसानके टिना, सिमी, दध ओ फलफूलहे सहजे लगगेक संकलन केन्द्र ओ शीतभण्डारसम पुगैना खाद्य शृत्ला निर्माण करल । स्याङ्जाके गल्याङ नगरपालिकासे दध उत्पादन कैना किसानहे प्रतिलिटर पन्ध रुप्यासम सिधा अनुदान डेके सहरहे दधमे आत्मनिर्भर केल्ह नैबनाइल, किसानके हातमे दैनिक आम्दानी पुगाके बालबालिकाके प्रोटिन उपभोग दरहे समेत उकासल ।

विद्यालय तहमे सरकारसे सुरु

उत्तरदायी सरकार ओ निर्णय प्रक्रियामे अर्थपूर्ण सहभागिताके अनुभूति करे सेक्लेसे किल लोकतन्त्रके सार्थकता भल्के सेकि ।

गणतन्त्रहे नागरिक समानताके माध्यम, लोकतन्त्रहे जनसहभागिताके आधार ओ विधिके शासनहे न्यायपूर्ण तथा उत्तरदायी राज्यके आधार बनाइ सेक्लेसे नेपालके लोकतान्त्रिक गणतन्त्रात्मक व्यवस्था थप सुदृढ ओ दिगो बने सेकि ।

करल दिवा खाजा कार्यक्रमहे स्थानीय उत्पादनसँग जोरके जाजरकोटके भेरी ओ बाजुराके गौमुल गाउँपालिकासे उदाहरणीय काम करल । ओइने विद्यालय हाताभितर बजारिया पत्रु खाना पूर्ण रूपमे निषेध करटी स्थानीय कोदो, मकै, फापर, भटमास ओ अण्डाके खाजा अनिवार्य करडेहल । यिहीसे बालबालिकाके पोषणास्तर ओ उकासल, गाउँके आमा समूह ओ किसानसे अपन उत्पादन सिधा विद्यालयमे बेच्न स्थानीय अर्थतन्त्रके ढोकाफे खोलल । जुम्लाके पालिकासे मार्सी धान ओ स्थानीय सिमीके संरक्षण करलै कलेसे तनहुँके व्यास ओ बैतडीके पञ्चेश्वरसे उपयोगविहीन जमिनहे भूमि बैंकमार्फत गरिब तथा भूमिहीनहे खेती करे डेके खाद्य सुरक्षाके धरातलहे मजबुत बनलै ।

भूगोलभितरके असमानता ओ मधेशके अनौठो घाउ

अदसिक राष्ट्रिय औसतमे डेखल १४.५ अंक जटरफे लोभलगटीक हुइलेसेफे यी देशभितरके नयाँ ओ गम्भीर चुनौतीहे भर छोपे सेकल नैहो । एक ओर राष्ट्रिय स्तरमे भोकमरी घटलमे सफलता हात पारेबेर कर्णालीके डाँडामे खाद्य असुरक्षाके समस्या अभिन ओस्टे बा । हुम्ला, डोल्पा, कालिकोट ओ मुगुके नागरिक अभिनफे चाउरके ढुवानी अनुदान ओ खाद्य डिपोके कोटामे निर्भर बटै । राष्ट्रिय स्तरमे बाल पुङकोपन घटलेसेफे कर्णालीके विकट बस्तीमे यी दर अभिनफे पैंतिस प्रतिशतसे उप्पर रना विकासके असमान भूगोलहे उजागर करटी रहल बा ।

दुसर ओर, सबसे अनौठा ओ चिन्ताजनक विरोधाभास मधेश प्रदेशमे डेखजाइठ । सिङ्को देशके अन्नके भण्डार मन्ना मधेशमे बालबालिकाके छ्याउटेपन ओ डाइनमे डेखना रक्तअल्पताके दर देशमे सबसे भयावह बा । वहाँक पचास प्रतिशतसे ढेर महिला रगतमे आइरनके कमी हुके हरडयार हुइल बटै । अन्न फरना ओ उ अन्न पोषण बनके शरीरमे पुगन फरक बाट हुइल कना कटु यथार्थ मधेशसे डेखाइठ । उहाँ विद्यमान लैङ्गिक विभेद, बालविवाह, अशिक्षा ओ घरके पुख्खसे खाके बचल खाना केल्ह महिलासे खैना विभेदकारी सामाजिक चलनसे डाई अपनही गम्भीर कुपोषणमे बँचटी रहल बटै । जेकर सिधा असर गर्भसे कमजोर जन्मना शिशुमे परटी रहल बा ।

पत्रु खानाके मौन आक्रमण ओ नयाँ पुस्ताके भविष्य

नेपालसे परम्परागत भोकमरी अर्थात् अन्नके अभावमे पेट बाँधके सुटेपर्ना अवस्थामे लडाईं जित्ती करेबेर एक ठो दुसर नयाँ सङ्कट चुपचाप देशव्यापी बन्टी रहल बा । उ हो सहर तथा सहरउन्मुख क्षेत्रमे भुसके आगीहस फैलल पत्रु खाना अर्थात् 'जंक फुड'के साम्राज्य । सहरके आधुनिक भान्सासे गाउँके छोट घुम्ती पलसम अब्बे चाउचाउ, कुरकुरे, लेज ओ कृत्रिम गुरी पेय पदार्थके बाढ आइल बा । परम्परागत रूपमे खैना मकै, भटमास, कोदोके रोटी ओ गेडागुडीके सट्टा बालबालिकाहे सहजुलके लाग पत्रु खाना किनडेना गलत सहराी संस्कृति तीव्र गतिमे मौलाइल बा । यैसिन खानासे पेट टे भरठ मने शरीरहे चहना आइरन,

अन्ततः लोकतान्त्रिक गणतन्त्रके सार कलेक जनतासे सरकार बन्ना किल नाइकि यम्ने जनताके अधिकार सुरक्षित हुइना, सरकार जनताप्रति उत्तरदायी हुइना ओ राज्यशक्तिके प्रयोगहे संविधान ओ कानूनके सीमाभिन्ने बाँधन हो । ओकर लाग विधिके शासनहे जनतासे अनुभूत करे सेक्ना तहमे पुगैना वाञ्छनीय डेखाइठ ।

साभारः गोरखापत्र दैनिकसे

प्रोटिन, क्याल्सियम ओ भिटामिनजैसिन सूक्ष्म पोषक तत्वसे शून्य बराबर रहे । जेकर कारण नेपाली बालबालिकाहुके एकओर मोटोपन ओ कम उमेरमे नैसर्ना रोगके जोखिममे परटी बटै कलेसे दुसर सूक्ष्म पोषणके अभावमे ओइनके शारीरिक ओ मानसिक क्षमता कमजोर बन्टी गैल बा । पेट भरकेफे शरीर भोका रना यी 'लुकल भोकमरी' (हिडन हङ्गर) नयाँ पुस्ताके लाग एक ठो मौन विष बन्टी रहल बा ।

जलवायुके अनिश्चितता ओ खाली हुइटी रहल स्थानीय भकारी

यी सक्कु आन्तरिक चुनौतीके माझ नेपाली भान्साके भविष्यउप्पर सबसे भारी अवरोध बनके जलवायु सङ्कट मडरटी रहल बा । विश्व तापमान वृद्धिमे नगण्य भूमिका हुकेफे ओकर भयानक मूल्य चुकैना अग्रप्रद्विक्तेमे नेपाल ठरहयाइल बा । कबु धान भित्रैना बेलामे अकस्मात् अइना बाढ ओ पहिरोसे खेतमे पाकल अन्न डुबाइडेहठ कलेसे कबु हिउँदभर एक थोपा पानी नैपरके गोहूँ ओ लाहीक बोट खेतमे सुखजिठै ।

दिगो खाद्य सुरक्षाके अबके मार्गचिज

ग्लोबल हंगर इन्डेक्स २०२६ के नतिजा पक्केफे निराशाके अँध्यारोभितर एक ठो बल्गर आशाके दिया हो । मने यिहीहे स्थायी ओ दिगो बनैना अबके नीति केवल काठमाडौं केन्द्रित औसत आँकडामे रमाके नैपुगी । कर्णालीके विकट वडा ओ मधेसके विपन्न बस्तीहे लक्षित करके अलगे पोषण सुरक्षा कार्यक्रम लैजैना, पत्रु खानाके विज्ञापन ओ बिक्रीमे कडा नियमन कैना तथा जलवायु अनुकूलित बीउबिजन ओ छोट किसानहे सिँचाइ सुविधा पुगैना अबके प्राथमिक काम हुई परठ ।

हमे बिसराई नैहुइना सत्य का हो कलेसे, अन्तर्राष्ट्रिय मञ्चमे प्रस्तुत हुइना सूचकाङ्कके ग्राफ लोभलगटीक डेखलेफे गाउँके चुल्हा वास्तविक ताप नापे नैसेक्जाई । जबसम कर्णालीके बालबालिकाके अनुहारमे प्राकृतिक स्वास्थ्यके चमक नैभरी ओ मधेसके डाईनके रगतमे रातोपन नैलौटी, तबसम भोकमरीके ग्राफमे डेखल यी ऐतिहासिक फड्कोसे नयाँ चुनौतीके सामना करे नैसेक्जाई ।

अन्तर्राष्ट्रिय

फ्रान्समे सत्तरी हजार सुरक्षाकर्मी परिचालन

काठमाडौं, १० कार्तिक । गैल साता हुइल प्रदर्शनके क्रममे बसौंयहोरके गम्भीर सहरी हिंसा भड्किलपाछे फ्रान्स प्रदर्शन ओ भडप नियन्त्रण करना देशभर ७० हजार सुरक्षाकर्मी परिचालन करले बा ।

विद्यालयके वातावरण ओ शैक्षिक अवस्थापति असन्तुष्टि जनैटि माध्यमिक तहके विद्यार्थीसे सुरु करल प्रदर्शन देशव्यापी बनल बा । आन्दोलनमे बहल महुँगी ओ जीवनयापनके लागतप्रति सर्वसाधारणके असन्तुष्टिसमेत जोरलपाछे परिस्थिति थप तनावपूर्ण बनल हो ।

पेरिसमे आयोजित पत्रकार सम्मेलनमे गृहमन्त्री लरेन्ट नुनेजले करिब ७० हजार सुरक्षाकर्मी परिचालन करल जानकारी डेलै । उहाँ सामाजिक सञ्जालमार्फत हिंसा ओ लुटपाट करे उक्सैना सन्देश फैलना कटि सम्भावित अशान्तिप्रति सचेत रहन आग्रह करलै । राष्ट्रपति इमानुएल म्याक्रोनके कार्यकाल अन्त्यओर पुगल बेला ओ नयाँ निर्वाचन हुइना छ महिना किल बाँकी रहल अवस्थामे प्रदर्शन बहल हो ।

हालके एक सर्वेक्षणसे अति दक्षिणापन्थी नेतृ मरिन ले पेनहे राष्ट्रपतीय प्रतिस्पर्धामे अग्रस्थानमे देखाइल बा । पाछेक घटनाक्रमसे उहाँक राजनीतिक अवस्था थप बलगर बनाइल आकलन करल बा ।

यिहेबिच ले पेन नेतृत्वके नेसनल –याली (आरएन) पार्टी यी सप्ताहान्तमे ओर्लियन्स सहरमे महाधिवेशन आयोजना करटै । महाधिवेशनमे हजारौं समर्थक सहभागी हुइना अपेक्षा करल बा । ओहे सहरमे पार्टीविरुद्ध प्रदर्शन करना समूह फेन जुट्ना तयारीमे रहल ओरसे सम्भावित भडपहे लेके स्थानीय प्रशासन चिन्तित बा ।

शुकके रोज राष्ट्रपति म्याक्रोन माध्यमिक विद्यालयके विद्यार्थी प्रतिनिधिसँग छलफल करलै मने भेटपाछे विद्यार्थी प्रतिनिधिसे सरकारसे माग सम्बोधन करना ठोस प्रस्ताव नैनानटसम आन्दोलन जारी रना अपन सहपाठीहे आह्वान करले बटै ।

श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश

- श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश
- रोजगार सम्झौता गरेर मात्रै काममा लागौ र लगाऔ ।
- औपचारिक तथा अनौपचारिक क्षेत्रका सम्पूर्ण श्रमिकको न्यूनतम ज्याला रु. १९,५५०/- अनिवार्य रुपमा कायम गरौ/गराऔ ।
- समान कामको समान ज्याला लैगिक आधारमा पारिश्रमिकमा विभेद गर्नु कानूनी अपराध हो ।
- कार्य स्थलमा श्रमिकलाई सुरक्षाका उपकरणहरू उपलब्ध गराई काममा लगाऔ, लैगिक हिंसाको अत्य गरौ ।
- बालश्रम कानूनी रुपमा दण्डनिय अपराध हो । बालश्रम नगरौ/नगराऔ ।
- श्रम अडिट प्रत्येक वर्षको पौष मसान्तभित्र अनिवार्य रुपमा पेश गर्नु/गराउनु उद्योग/प्रतिष्ठानको कर्तव्य हो अन्यथा नियमानुसार कारवाही गरिने छ ।
- असल श्रम सम्बन्धको आधार सामाजिक सुरक्षा र रोजगार औद्योगिक दुर्घटना न्यूनीकरण गरौ व्यवसायजन्य रोग लानबाट बच्नौ ।
- श्रम ऐन, २०६४ र नियमावली, २०७५ को पूर्णरुपमा कार्यान्वयन गरौ ।
- वैदेशिक रोजगारीमा जाँदा अनिवार्यरुपमा श्रम स्वीकृति गरेर जाऔ ।

श्रम तथा रोजगार कार्यालय
धनगढी, कैलाली

पेट, छाती, मुटु तथा थाईराईड विभाग

उपचार हुने रोगहरू

- उच्च रक्तचाप, दम तथा मुटु रोगको उपचार
- सुगर (मधुमेह), थाईराईड रोगको उपचार तथा परामर्श
- मिर्गी रोग, प्यारालाइसिस (पक्षघात) तथा अन्य नशा सम्बन्धी रोगको उपचार
- छाती दुस्स्ने, पेट दुस्स्ने समस्याको उपचार
- ज्वरो आउने, टाउको दुस्स्ने तथा पुरानो जटिल रोगको उपचार तथा परामर्श
- सिकल सेलरोग तथा अन्य रगत कम (Anemia) को उपचार तथा परामर्श

२४ सै घण्टा आकस्मिक उपचार

ओ.पि.डी. सेता प्रत्येक दिन (बिहान ८ देखि साँझ ५ बजेसम्म)

धनगढी
संजिवनी अस्पताल प्रा. लि.
९ (राष्ट्र बैंक चौक, धनगढी-५) ☎ सम्पर्क नं. ०९१-५९०३२८, ९७६४२१२७२७, ९७६९९३२१०५

बंगालके खाडीमे अर्नब चक्रवात नेपालमे वर्षासे हिमपातके जोखिम

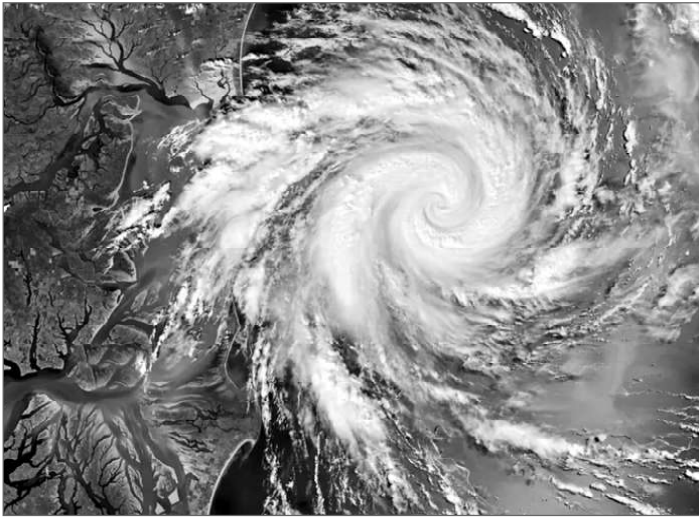
काठमाडौं, १० कार्तिक । बंगालके खाडीमे विकसित 'अर्नब' चक्रवातके प्रभावसे नेपालके टमान स्थानमे वर्षा ओ उच्च हिमाली क्षेत्रमे हिमपातके जोखिम डेखल बा ।

नेपालमे बिपदेक साँभन्से शनिच्चरसम प्रणालीके प्रभाव रहना प्रारम्भिक पूर्वानुमान रहल बा ।

इहीसे अँट्याइ नैपना मने सतर्क भर हुइ पर्ना नेपाल मौसम विज्ञान विभागसे जनैले बा । विभागके प्रवक्ता एवम् वरिष्ठ मौसमविद् विभूति पोखरेलके अनुसार चक्रवातके अवशेषसे पर्याप्त जलवाष्पयुक्त हावा बोकके लन्ना ओ उपरका वायुमण्डलके प्रणालीसँग अन्तरक्रिया कैना हुइल ओरसे नेपालमे वर्षा ओ हिमपातके पूर्वानुमान करल हो ।

'मने अब्बे अँट्याइ पर्ना अवस्था नैहो, सतर्क भर रहे परी,' पोखरेल कहली । पाछक पूर्वानुमानअनुसार देशके ढेर स्थानमे हल्कासे मध्यम वर्षा हुइना ओ कुछ स्थानमे भारी वर्षा हुइ सेक्ना सम्भावना रहल बा । यद्यपि, प्रणाली नेपाल नजिक आइतसम कमजोर हुइलेसे वर्षाके प्रभाव कम हुइ सेक्ना ओ अपेक्षाकृत शक्तिशाली रहलेसे प्रभाव बहे सेक्ना पोखरेल बटैली ।

ओहकान अनुसार उच्च हिमाली क्षेत्रमे बाक्लो हिमपात, हिमआँधी ओ हिमपहिरोके जोखिम रहे सेकी । हिमाली क्षेत्रमे पर्यटकीय गतिविधिमे संलग्न व्यक्ति ढेर जोखिममे परे सेक्ना



हुइल ओरसे सुरक्षित स्थानमे बैठना ओ सम्भव रहटसम उच्च हिमाली क्षेत्रमे यात्रा नैकैना उहाँ सुझाव डेली ।

पहिरोके जोखिम रहल स्थान तथा सडकखण्डमे यात्रा करेबर फेन सावधानी अपनाइ पर्ना उहाँके कहाइ रहल बा । मौसम ओ सडकके अवस्था बुझके किल यात्रा कैना उहाँ आग्रह करली ।

धान कटुइया किसानहे सतर्क रहना आग्रह

वर्षासे कृषि क्षेत्रमे समेत असर पारे सेक्ना डेखल बा । अब्बे धान कटना समय हुइल ओरसे किसान मौसमके पूर्वानुमानहे ध्यानमे राखके कृषि कार्यके योजना बनाइ पर्ना पोखरेल बटैली ।

धान कटनासे आघे मौसम विज्ञान

विभागसे जारी कैना आधिकारिक सूचना ओ पूर्वानुमान हेना उहाँ किसानहे आग्रह करले बटी । चक्रवातके अवशेषके गति, दिशा ओ तीव्रताअनुसार वर्षा हुइना समय तथा प्रभाव फरक परे सेक्ना हुइल ओरसे प्रणालीके निरन्तर अनुगमन आवश्यक रहल उहाँके कहाइ रहल बा । जोखिमयुक्त क्षेत्रमे बसोबास करुइया नागरिक फेन आवश्यक सतर्कता अपनाइ पर्ना उहाँ बटैली ।

पोस्ट-मनसुनमे वर्षा हुइना सामान्य

मनसुन ओराइलपाछे सुरु हुइना पोस्ट-मनसुन अवधिमे फेन वर्षा हुइना सामान्य प्रक्रिया रहल पोखरेल बटैली । नेपालमे अक्टोबर ओ नोभेम्बर सामान्यतया मौसम सफा रहना महिना

रलेसे फेन इहे समयमे बंगालके खाडी ओ अरब सागरमे चक्रवात विकसित हुइना सम्भावना रहट ।

समुद्रमे विकसित हुइना सक्कु चक्रवात वा न्यून चापीय प्रणाली नेपालसम नैपुगट । मने, कुछ प्रणाली उत्तर वा उत्तरपश्चिमओर सरटी नेपाल लगे पुगके वर्षा कराइ सेकट । अइसीन प्रणालीसे उच्च हिमाली क्षेत्रमे हिमपातसमेत कराइ सेक्ना उहाँ बटैली ।

अइसीन घटना इहीसे आघे फेन हुइल बावै । ओहमारे अब्बे नयाँ घटना हुइल कना नैहो,' पोखरेल कहली ।

जलवायु परिवर्तनसे नयाँ मौसमी घटना किल सिर्जना कैना नैहोके पहिले फेन हुइना करल घटनाके आवृत्ति ओ तीव्रतासमेत प्रभाव पारे सेक्ना उहाँके कहाइ रहल बा । ओहमारे अइसीन मौसमी घटनाके नियमित अध्ययन ओ अनुगमन आवश्यक रहल उहाँ बटैली ।

आधिकारिक सूचना हेना आग्रह

मौसमके पाछक अवस्थाबारे जानकारी लेना मौसम विज्ञान विभागके आधिकारिक सूचना ओ सामाजिक सञ्जालसे जारी हुइना अद्यावधिक हेना पोखरेल आग्रह करली ।

मौसमबारे पैलना हल्लाके आधारमे त्रासमे नैबैठे पर्ना मने सम्भावित जोखिमहे बेवास्ता फेन नैकरे पर्ना उहाँके सुझाव रहल बा । आधिकारिक पूर्वानुमानके आधारमे यात्रा, कृषि कार्य ओ अन्य गतिविधि तय कैना उहाँ आग्रह करली ।

सामाजिक विकास...

“युवा तथा लक्षितबर्गके सवाल समेटल ध्यानाकर्षण पत्र सरोकारवाला निकायहे बुझाके हप्ते ओइनहे भक्तभक्तैना काम कैबी,” जोशी कहलै, “अभिनसम प्रदेश सरकार मातहत रहल मन्त्रालय तथा संसदीय समितिहे बुझैले बटी, यिहीहे पालिकासम बुझाके ध्यानाकर्षण करैबी ।”

“लैंगिक समानताके लाग समान सोच ओ व्यवहारः समृद्धिके आधार”

भारतीय दूतावाससे बनाइल धर्मशाला प्रयोगविहीन



मुस्ताङ, १० कार्तिक । मुस्ताङके वारागुड मुक्तिक्षेत्र गाउँपालिका-१, रानीपौवामे डेढ दशक आगे भारतीय दूतावाससे निर्मित धर्मशाला प्रयोगमे नैआके खण्डहरमे परिणत हुइल बा ।

हिन्दू धर्मात्मकीके पवित्र तिर्थस्थल मुक्तिनाथ मन्दिरके दर्शनके लाग अइना भारतीय तिर्थालुहे लक्षित कैके मन्दिरके प्रवेशद्वार रानीपौवामे निर्मित धर्मशाला संरक्षण तथा व्यवस्थापनमे आवश्यक बजेटके अभावके कारण अलपत्र परल हो ।

भारतीय दूतावाससे २ करोड ५२ लाख रुपियाँ लागतमे सन् २००९ के डिसेम्बरमे शिलान्यास करल धर्मशाला तत्कालीन भारतीय राजदुत राकेश सुदसे सन् २०१० के जुन २० तारिखमे उदघाटन करल रहे ।

आगन्तुके स्वागत कक्ष, बैठक, बाथरूम सहितके १० कोठा, ८ साधारण कोठा, भान्सा कक्ष, १ सुरक्षा कक्ष लगायतके भौतिक संरचना रहल बा ।

भारतीय दूतावाससे भवन तत्कालीन जिल्ला विकास समितिसे सञ्चालन तथा संरक्षणके व्यवस्थापन मुक्तिनाथ विकास समितिहे हस्तान्तरण करलमे बि.स २०८० सावनक दोसर साता बैठल बैठकसे धर्मशालाके सञ्चालन तथा व्यवस्थापनके जिम्मा वारागुड मुक्तिनाथ विकास समितिहे उना मेरिक लिखित निर्णय करल बा ।

मुक्तिनाथ मन्दिरके दर्शनके लाग अइना भारतीय तिर्थयात्रीहे शाकाहारी भोजनके लाग प्रयोग करना निर्माण करल धर्मशाला मर्मत नैकैके सञ्चालन करे सेक्ना अवस्थामे नैहोके वारागुड मुक्तिक्षेत्र गाउँपालिका-१ के वडा अध्यक्ष प्रमेश गुरुङ बटैलै ।

वडाध्यक्ष गुरुङ कलै, तत्काल मर्मतके लाग दुई करोडसे ढेर लागि, दाताके खोजीमे बटि । मुक्तिनाथ विकास समितिके कोषाध्यक्ष समेत रहल गुरुङके अनुसार धर्मशालाके प्रवेशद्वारसे मर्मतमे खर्च लगना बटैलै ।

धर्मशाला सञ्चालनमे अइलेसे स्वदेशी तथा विदेशी तिर्थालुहे राहत हुइलेसे फेन स्थानीय सरोकारवाला निकायके चास कम रहल ओरसे समस्या हुइल बा । समुन्द्री सतहसे ३ हजार ६१० मिटरके उचाईमे अवस्थित मुक्तिनाथ मन्दिरमे नेपालीपाछे सबसे ढेर भारतीय तिर्थालु दर्शन करना करल बटै ।

बर्सेनि करिब डेढ लाखसे ढेर भारतीय तिर्थालु मुक्तिनाथ मन्दिरमे पुगै । धर्मशाला सञ्चालनमे आइलमे नेपाली तिर्थालुहे समेत राहत हुइना मुक्तिनाथ मन्दिर व्यवस्थापन समितिके कर्मचारी दिनेश भुषाल बटैलै । संसारके जौनफेन स्थानमे रलेसे फेन एक चो मुक्तिनाथके दर्शन ओ वहाँक १०८ धारा ओ जलकुण्डमे लहेलेसे मोक्ष प्राप्ति हुइना विश्वास बा ।

मोटरसाइकलको फाइल हराएको सूचना

यहि मिति २०८३ कार्तिक १ गते चौमालादेखि धनगढी जाने क्रममा रमित चौधरीको नाममा दर्ता भएको से ७ प १६५६ नम्बरको बजाज कम्पनीको पल्सर मोटरसाइकलको फाइल हराएको हुँदा पाउनुहुने महानुभावहरूले सम्बन्धित व्यक्ति वा नजिकैको प्रहरी कार्यालयमा बुझाई दिनहुन अनुरोध छ ।

सम्पर्क व्यक्ति: **रमित चौधरी**
गौरीगंगा-३, कैलाली

मो. ९८६८८८०८६३



बैतडी, १० कार्तिक । सुदूरपश्चिमके पहाडी जिल्ला बैतडीके ९१ प्रतिशत घरधुरीमे आधारभूत खानेपानीके पहुँच पुगल बा । इ बरस किल थप ५० ठो नयाँ खानेपानी योजना थपल बावै । यद्यपि बजेट कटौतीसे नयाँ योजना समयमे पूरा कैना भर चुनौती थपल बा ।

खानेपानी तथा सरसफाइ डिभिजन कार्यालय बैतडीके अनुसार अब्बे बैतडी ओ दार्चुलाहे समेटके कुल ५१० ठो खानेपानी योजना क्रमागत सञ्चालनमे रहल बावै मने उ योजनाहे समयमे सम्पन्न कैना बजेटके अभाव

डेखल बा ।

गत वर्ष इ चालु योजनाके लाग ५५ करोड रुपियाँ बजेट विनियोजन करलमे चालु आर्थिक वर्ष २०८३/८४ मे ३१ करोड रुपियाँ किल विनियोजन करल बा । बजेट घटेबर योजनाके काम समयमे पूरा कैना चुनौती थपल खानेपानी तथा सरसफाइ डिभिजन कार्यालय बैतडीके कार्यालय प्रमुख किसान कुँवर बटैलै । बजेट करिब आधा घटेबर निर्माणाधीन आयोजना अलपत्र पर्ना ओ चालु योजना समयमे पूरा कैना धौ धौ पर्ना डेखल बा ।

यकर कारण बाँकी नौ प्रतिशत नागरिकके घरमे खानेपानी पुगैना लक्ष्य पूरा हुइ नैसेकल उपभोक्ताके गुनासो रहल बा ।

शुद्ध खानेपानीके पहुँच न्यून

जिल्लामे ९१ प्रतिशत घरमे पानी टे पुगल बा, मने उ पानीके शुद्धता भर मापन कैना बाँकी रहल बा । जिल्लाभरमे बैतडी, पाटन, खोड्पे ओ मेलौलीबजार क्षेत्रमे किल पानी शुद्धीकरण कैना संयन्त्र रहल बाख इ मुख्य बजारबाहेक जिल्लाके अधिकांश ग्रामीण क्षेत्रमे पुगल आधारभूत पानी शुद्धीकरण नैहोके सिढे मुहानसे मनेनके मुहसम पुना करल बा ।

पानी शुद्धीकरण नैहोके जिल्लाके दुर्गम बस्तीमे पानीजन्य रोगके जोखिम कम हुइ सेकल नैहो । स्वास्थ्य कार्यालय बैतडीके प्रमुख तीर्थराज भट्टके अनुसार जिल्लामे अब्बे फेन पानीजन्य रोगके प्रकोप कायमे रहल बा । फोहोर पानीके कारण भन्डापाखाला, आउँ, टाइफाइड ओ जन्डिस जैसिन रोगसे सर्वसाधारणहे बरसभर सटैना करल उहाँ बटैलै ।

ग्राहक वर्गहरूमा खुशीको खबर !

हाम्रो यहाँ सबै कम्पनीका रि-कण्डिसन मोटरसाइकलहरू पाइनुका साथै मर्मत पनि गरिन्छ र सबै कम्पनीका हेलमेट र पार्टसहरू थोक तथा खुदा मूल्यमा पाइन्छ ।

कुनै पनि मोटरसाइकल नगद खरिद गरेमा आकर्षक उपहारको व्यवस्था रहेको जानकारी गराउँदछौं ।



संजय अटो सेल्स एण्ड रि-कण्डिसन

धनगढी-४, उत्तरबेहडी (चटकपुर शहिद गेट भन्दा पश्चिम)

मो. ९८५८४२३९१२,

सुवर्ण अवसर ! सुवर्ण अवसर !! सुवर्ण अवसर !!!

कैलाली अस्पताल प्रा.लि

Provide Health Related Services

डॉ. अकाश राउत
MBBS, MD (TU), Internal Medicine
Senior Consultant Physician
NMC NO. 20364
आउने समय : प्रत्येक दिन (२४ घण्टा)

डाक्टर आउने समय : प्रत्येक दिन, आकस्मिक सेवा (चिकित्सक) २४ घण्टा

हाम्रा सेवाहरू :

- मधुमेह(सुगर)
- थाइराइड रोग
- पेट,मुटु तथा छातिरोग
- कलेजी रोग
- TB, हेपाटाइटिस रोग
- ब्लडप्रेसर तथा हृदयरोग
- मोटोपना

डाक्टर आउने समय : १) २४ घण्टा ईमर्जेन्सी सेवा, फार्मेसी सेवा, अत्याधुनिक प्याथोलोजी, रंगीन इण्डोस्कोपी, डिजिटल एक्सरे, रंगीन भिडियो एक्सरे, अत्याधुनिक अप्रेसन थियटरबाट सेवा, वातानुकुलीन एम्बुलेन्स, वातानुकुलीन क्याबिन ।

२) स्त्री रोग तथा प्रसूती सम्बन्धी सेवा (बाँझोपन, सेतोपानी बग्ने, तल्लो पेट दुख्ने, महिनावारी गडबडी, पाठेघर खस्ने, पाठेघरको अप्रेसन, गर्भवती तथा सुत्केरी सेवा) । ३) न्याप्रोस्कोपी तथा जनरल सर्जरी (हाइड्रोसिल, हर्निया, पायल्स, फिस्टुला, स्तनमा गाँठोपुटी आउने, शरिरका विभिन्न भागमा गाँठोपुटी, घाउ खटिरा, पत्थरी, किडनीको पत्थरी, प्रोस्टेटको अपरेसन तथा पित्तथलीको पत्थरी अपरेसन) । ४) हाड/जोर्नी तथा नशा सम्बन्धी सेवा (हाटखुट्टा बाङ्गो, फ्याक्चर, हाडजोर्नीको दुखाई, कम्मर दुख्ने तथा अत्याधुनिक मेशिनबाट हड्डीको अपरेसन)छाती, मुटु, कलेजी तथा पेट सम्बन्धी सेवा । ५) यौनरोग, कपाल तथा छाला रोग सम्बन्धी सेवा । ६) मानसिक तथा मनोरोग सेवा । ७) नाक, कान, घाँटी रोग सम्बन्धी सेवा । ८) मुर्छा पर्नु, टाउको दुख्ने जस्ता समस्याहरू, प्यारालाइसिस हाटखुट्टा नचल्ने सम्बन्धी सेवा । ९) न्यूरो (नशा रोग) लागुपदार्थ दुर्व्यसनी, कुलत सम्बन्धी, हाटखुट्टा भ्रमभ्रमाउने, छारो रोग । १०) आगोले पोलेको हाटखुट्टा बाँझिएको र खुट्टोको अपरेसन आदि सेवा ।

कैलाली अस्पताल प्रा.लि

जिल्ला प्रशासन कार्यालय अगाडि, पशुपति टोल, धनगढी, कैलाली

फोन नं. ०९१-४२४५५४, ४२४६५४, ४२९२४९